



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 18]
No. 18]

नई विल्ली, शनिवार, मई 6, 1978/वैशाख 16, 1900
NEW DELHI, SATURDAY, MAY 6, 1978/VAISAKHA 16, 1900

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह प्रालग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—चाप्ट 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सार्विधिक नियम और प्रावेश Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई विल्ली, 20 अप्रैल, 1978

कानूनिका 151.—केन्द्रीय गवर्नर नौसेना प्रधिनियम 1957 (1957 का 62) की धारा 184 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तारीख 7 अगस्त, 1973 के कानूनिका 232 के अन्तर्गत भारत गवर्नर के रक्षा मंत्रालय की प्रधिसूचना के साथ प्रकाशित भारतीय नौसेना सहायक सेवा विनियमावली, 1973 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

1. इन विनियमों का नाम नौसेना सहायक सेवा (प्रथम संशोधन) विनियम, 1978 है।

2. भारतीय नौसेना सहायक सेवा विनियमावली, 1973 के विनियम 110 के उप-विनियम 4 को हटा दिया जाये और उसी विनियम के उप-विनियम 5 और 6 के स्थान पर उप-विनियम 4 और 5 कर दिया जाये।

गोपनीय व्रेदी, उप-सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 20th April, 1978

S. R. O. 151.—In exercise of powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957, (62 of 1957), the Central Go-

vernment hereby makes the following Regulations, further to amend the Indian Naval Auxiliary Service Regulations, 1973, published with the notification of the Government of India, Ministry of Defence, vide SRO 232 dated 7th August, 1973, namely :—

- These regulation may be called the Indian Naval Auxiliary Service (1st Amendment) Regulation 1978.
- Delete sub-regulation 4 of Regulation 110 of Indian Naval Auxiliary Service Regulations 1973 and re-number sub-regulations 5 and 6 of Regulation 110 of the same regulations as 4 and 5.

A. S. BEDI, Dy. Secy.

नई विल्ली, 24 अप्रैल, 1978

कानूनिका 152.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्परुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तकनीकी विकास और उत्पादन विवेशालय (वायु) संगठन (वर्ग 4 अनौरोधिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का नाम तकनीकी विकास और उत्पादन विवेशालय (वायु) संगठन (वर्ग 4 अनौरोधिक पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।

- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
 2. तकनीकी विकास और उत्पादन नियंत्रण (आयु) नंगठन (वर्ग 4 अनीशोधिक पद) भर्ती नियम 1974 में, नियम 5, 6 और 7 का कलमः नियम 6, 7 और 8 के रूप में पुनःसंस्थापित किया जायेगा और इस प्रकार पुनःसंस्थापित नियम 6 के पूर्व निम्ननिवित नियम अन्त स्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

“5क. चपरानियों के रूप में नियुक्त व्यक्तियों का, होम गार्डों के रूप में प्रशिक्षण पाने का दायित्व—इन नियमों में किरी बात के होते हुए भी, इन नियमों के अधीन चपरासी के रूप में नियुक्त प्रयेक व्यक्ति, तीन वर्ष की अवधि के लिये होम गार्ड के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करेगा,

परन्तु महासमादेष्टा, होम गार्ड प्रशिक्षण की अवधि के दौरान किसी व्यक्ति द्वारा प्रभिप्राप्त प्रशिक्षण सम्बन्धी कार्य-सम्पादन और स्तर को छान में खेते हुए, उस अवधि को घटा कर दो वर्ष कर सकता है।”

[फा०स० 2523/डी०टी०डी०एडपी० (ए०आई०प्रा०)/
ए०डी०एम०एन०]

आर० ए०ग० गुप्ता, अवर गवित

New Delhi the 24th April, 1978

S.R.O. 152.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Directorate of Technical Development and Production (Air) Organisation (Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, namely :—

1. (1) These rules may be called the Directorate of Technical Development and Production (Air) Organisation (Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Directorate of Technical Development and Production (Air) Organisation (Class IV Non-industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, rules 5, 6 and 7 shall respectively, be renumbered as rules 6, 7 and 8, and before rule 6, as so renumbered, the following rule shall be inserted, namely :—

“5. Liability of persons appointed as peons to undergo training as Home Guards :—Notwithstanding anything contained in these rules, every person appointed as a peon under these rules shall undergo training as a Home Guard for a period of three years.

Provided that the Commandant General, Home Guards, may, having regard to the performances of and standard of training achieved by any person during the period of training, reduce such period to two years.”

[File No 2523/DTD & P(AIR)/ADMIN]

R M GUPTA, Under Secy.

नई शिल्पी, 24 अप्रैल, 1978

का०नि०आ० 153.—केन्द्रीय सरकार, छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की द्वारा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, और भारत सरकार के द्वारा मन्त्रालय की अधिसूचना स० 230, तारीख 13 भिन्नदर, 1976 का अधिकांश करते हुए, छावनी निवाचिक नियम, 1945 में कलिप्य और संशोधन करना चाहती है। जिसे कि उक्त धारा में अपेक्षित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्ननिवित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिये प्रवाणित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की स्थिति ना है। इनके द्वारा सुनना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इन नियमों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जायेगा।

उक्त साठ दिन की अवधि के पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी प्रारूप या मूलाद सिरी व्यक्ति से प्राप्त होगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम छावनी निवाचिक (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. छावनी निवाचिक नियम, 1945 में, नियम 14 में निम्ननिवित प्रारूप जोड़ा जायेगा, अर्थात्—

“परन्तु केन्द्रीय सरकार, अध्यक्ष, छावनी बोर्ड से उस आशय की मिफारिंग प्राप्त होने पर, निम्ननिवित में से किसी भी आधार पर, ऐसे चुनाव की तारीख को चारोंम दिन में अतिधिक के लिये स्थगित कर सकती है।

(1) चुनाव की तारीख वही है, या उस तारीख के बिल्कुल निकट है, जो लोकसभा, राज्य विधान सभा या किसी भिट्टवर्ती स्थानीय प्राधिकरण की है,

(2) कोई बस्ता हो गया है या खुली हिस्सा भूक उठी है या ऐसे बल्कि या हिस्सा के कारण छावनी में तनाव गैदा हो गया है, या

(3) छावनी पर किसी प्राकृतिक विपदा का प्रभाव पड़ा है :

परन्तु यह और कि, उपर्युक्त मध्य (2) और (3) की बाबत, अध्यक्ष, छावनी बोर्ड, यदि रिटार्निंग आफिसर से स्पोर्ट प्राप्त होने पर वह शावपदक समझे तो, निम्ननिवित मामलों में छावनी के किसी बोर्ड में मतदान स्थगित कर सकता है,

(क) उम बाई में या किसी भी मतदान केन्द्र में, मतदान की पूर्वसंध्या को, या की तारीख को, बल्कि या खुली हिस्सा भूक उठी है;

(ख) छावनी पर महसा किसी प्राकृतिक विपदा का प्रभाव पड़ा है;

परन्तु यह भी कि केन्द्रीय सरकार, चुनाव या मतदान के ऐसे स्थगन की रिपोर्ट की प्राप्ति पर, राजपत्र में हस्य आशय की अधिसूचना प्रकाशित करें, वह तारीख नियत करेगी जिसको ऐसा स्थगित चुनाव या मतदान किया जायेगा। तारीख के इस प्रकार अधिसूचित किये जाने के पश्चात, छावनी बोर्ड, नियम 14 के उपनियम (1) क्रिहित रीति से, इस नियमों में विहित औपचारिकताओं के नये सिरे से पालन के त्रिना, चुनाव के लिये, जिसे इस प्रकार स्थगित किया गया था, मतदान के स्थान और समय को स्थानीय रूप से अधिसूचित करेगी।”

[फा०स० 17/1/भी०/एल०ए० सी०/66-998-सी०/डी०(क्य०
एण्ड सी०)]

क० पी० भट्टाचार्य, अवर मन्त्रि

New Delhi, the 24th April, 1978

S.R.O. 153.—The following draft of certain rules further to amend the Cantonments Electoral Rules, 1945, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 31 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), and in supersession of the Government of India in the Ministry of Defence notification No. 230, dated the 13th September, 1976, is hereby published as required by the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date of publication of this notification in the official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the draft before the said period of sixty days will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Cantonments Electoral (Amendment) Rules, 1978.

2. In the Cantonment Electoral Rules, 1945, to rule 14, the following provisions shall be added, namely :—

"Provided that the Central Government may, on receipt of a recommendation to that effect from the President, Cantonment Board, postpone, by not more than forty days, the date of such election to a later date on any of the following grounds,—

- (i) the date of election coinciding with or is in close proximity of the date of election for the Lok Sabha, State Assembly or any adjacent local authority;
- (ii) A riot or open violence breaks out or there is tension in the Cantonment on account of such riot violence; or

(iii) some natural calamity affects the Cantonment.

Provided further that, in respect of items (ii) and (iii) above, the President, Cantonment Board may, if deemed necessary, on receipt of a report from the Returning Officer, adjourn the polling in any wards of the Cantonment in case,

- (a) a riot or open violence breaks out in that ward, or any of the polling stations on the eve of, or on the date of, polling;
- (b) some sudden natural calamity affects the Cantonment:

Provided also that on receipt of such adjournment of election or polling, the Central Government may appoint the day on which such postponed election or polling will be held publishing a notification to that effect in the Official Gazette. After the date is so notified, the president, Cantonment Board, shall notify locally, in the manner prescribed in sub-rule (1) of rule 14, the place and time of polling for the election so postponed without de-novo compliance of formalities prescribed in these rules".

[File No 17/1/C/L & C/66/998-C/D(Q & C)]

K. P. BHATNAGAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1978

का० नि० आ० 154.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रक्षा मंत्रालय के अधीन आयुष और आयुष उपस्कर कारबाहों से कठिनपय भूमूँ 'क' चिकित्सा पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने थाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(क) इन नियमों का सक्षिप्त नाम आयुष और आयुष उपस्कर कारबाहा (गमूह 'क' चिकित्सा अधिकारी) भर्ती नियम, 1978 है।

(ख) मेर राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2. लागू होना.—ये नियम इससे उपावद अनुसूची के स्तम्भ 1 मे विनियमित पदों को लागू होगे।

3. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमात्र—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमात्र वे होंगे जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक मे विनियमित हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हताएं—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उनसे सम्बद्ध अग्न वाते मे दीर्घी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक मे विनियमित हैं।

5. निरहंताएं—वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो, उक्त पदों मे से किसी पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीकृति के अधीन अनुज्ञा है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इन नियम के प्रश्नतंत्र से छूट दे सकेगी।

6. नियम शिखिल करने की शक्ति—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीक्षीय है, वह वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हे लेखबद्ध करके नया संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की आवश्यकता, आवेदन द्वारा, शिखिल कर सकेगी।

7. व्यावधि—इन नियमों की कोई भी वात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में अमर्य-अमर्य पर निकाले गए आरेशों के अनुगार अनुसूचित जानियो, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रयोगों के व्यक्तियों के लिए उपयोग करना आवश्यक है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमात्र	अयतन पद अधिकारी	मीड्ये भर्ती किए जाने वाले अवधियों	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों
1	2	3	4	5	6	7
1. चिकित्सा सेवा निवेशक (सुपर-टाइम यैड-1)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित	2250-125/2-2500 रु०+	अयतन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने परिवीक्षा की वाले अधिकारी के लिए अवधि, यदि कोई विहित आयु और हो। गैरिक महताएं प्रोफ्रेशन की दशा में सागू होगी मा नहीं	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोफ्रेशन द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में के श्रेणिया जिनसे प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थाना- न्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोफ्रेशन ममिति है, तो उमसी सरकार विभिन्न लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा
---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------

8	9	10	11	12	13
सागू नहीं होता	यो वर्ष	प्रोफ्रेशन द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।	प्रोफ्रेशन : स्वास्थ्य सेवा के उप निवेशक के सुपरटाइम ब्रेड-2 पद धारण प्रध्यक्ष—संघ लोक सेवा अधिकारी को प्रतिनिवेशक के वाले अधिकारी/मुख्य आयोग के प्रध्यक्ष/सदस्य, नियुक्ति पर मियुक्त चिकित्सा अधिकारी, जिन्होंने अपने ब्रेड में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 6 वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/रक्षा सेवाओं के अधीन सदृश पद धारण करने वाले चिकित्सा अधिकारी (प्रतिनियुक्ति की अवधि, साधारणतया 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह 'क' विभागीय प्रोफ्रेशन समिति : समूह 'क' विभागीय प्रोफ्रेशन विभागीय प्रोफ्रेशन करने में किन लशा राज्य सरकार के अधिकारी को प्रतिनिवेशक के समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।	

1	2	3	4	5	6	7
2. चिकित्सा सेवा उप निवेशक/मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सुपरटाइम ब्रेड-2)	2 साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित इस भारे में भारत सरकार के प्रादेशों के अनुसार प्रैक्टिस बंदी भत्ता ।	1500-60-1800- 100-2000 रु.- इस भारे में भारत सरकार के प्रादेशों के अनुसार प्रैक्टिस बंदी भत्ता ।	बयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	

8	9	10	11	12	13
सागू नहीं होता	यो वर्ष	प्रोफ्रेशन द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।	प्रोफ्रेशन : जनरल इयूटी अधिकारी ब्रेड-1 चिकित्सा सेवा के सहायक निवेशक/उपेण्ठ चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने अपने ब्रेड में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 5 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है तथा जो आयुर्विज्ञान में स्नातकोत्तर अर्हता रखते हों। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/रक्षा सेवाओं के अधीन सदृश पद धारण करने वाले चिकित्सा अधिकारी (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह 'क' विभागीय प्रोफ्रेशन समिति : समूह 'क' विभागीय प्रोफ्रेशन विभागीय प्रोफ्रेशन करने में किन तथा राज्य सरकार के अधिकारी को प्रतिनिवेशक के प्रध्यक्ष/सदस्य प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति सदस्य—1. आयुष्म कारखाने करने समय संघ लोक के महानिवेशक/अपर महानिवेशक/स्वास्थ्य सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है। 2. संयुक्त सचिव (एफ)/निवेशक (पी ए)	प्रोफ्रेशन करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

8	9	10	11	12	13
सागू नहीं होता	यो वर्ष	प्रोफ्रेशन द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।	प्रोफ्रेशन : जनरल इयूटी अधिकारी ब्रेड-1 चिकित्सा सेवा के सहायक निवेशक/उपेण्ठ चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने अपने ब्रेड में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 5 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है तथा जो आयुर्विज्ञान में स्नातकोत्तर अर्हता रखते हों। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/रक्षा सेवाओं के अधीन सदृश पद धारण करने वाले चिकित्सा अधिकारी (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह 'क' विभागीय प्रोफ्रेशन समिति : समूह 'क' विभागीय प्रोफ्रेशन विभागीय प्रोफ्रेशन करने में किन तथा राज्य सरकार के अधिकारी को प्रतिनिवेशक के प्रध्यक्ष/सदस्य प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति सदस्य—1. आयुष्म कारखाने करने समय संघ लोक के महानिवेशक/अपर महानिवेशक/स्वास्थ्य सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है। 2. संयुक्त सचिव (एफ)/निवेशक (पी ए)	प्रोफ्रेशन करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

1	2	3	4	5	6	7
3. चिकित्सा सेवा सहायक नियोगक/ ज्येष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल ड्यूटी अधिकारी मेड-1)	14	यात्रारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित सरकार के प्रावेशों के प्रतिशार प्रैचिट्स बंदी भूता।	1100-50-1600+ इस सम्बन्ध में भारत मरकार के प्रावेशों के प्रतिशार प्रैचिट्स बंदी भूता।	अध्ययन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोफेशन द्वारा, जिसके न हो गए हैं पर प्रतिनियुक्ति पर स्थाना- न्तरण द्वारा।	प्रोफेशन : जनरल ड्यूटी अधिकारी मेड-2 समिति : (सहायक चिकित्सा अधिकारी) जिन्होंने उस योग में नियमित आयोग के अध्यक्ष/सदस्य आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 5 वर्ष की सेवा पूरी कर सी हो। सबस्ट--। आयुष्मान कार- प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारी रक्षा सेवाओं के भ्रष्टान सवृप्त पर धारण करने वाले चिकित्सा अधिकारी (प्रतिनियुक्ति की) अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होती।	समूह 'क' विभागीय प्रोफेशन भ्रष्टान ड्यूटी अधिकारी मेड-2 समिति : भ्रष्टान—संघ लोक सेवा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आव- श्यक है।	राज्य सरकार के अधिन- कारी की प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आव- श्यक है।	

New Delhi, the 25th April, 1978

S.R.O. 154.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certain Group 'A' medical posts in the Ordnance and Ordnance Equipment Factories under the Ministry of Defence, namely :—

1. Short title and commencement :—(a) These rules may be called the Ordnance and Ordnance Equipment Factories (Group 'A' Medical Officers) Recruitment Rules, 1978.
- (b) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. Application.—These rules shall apply to the posts as specified in Column 1 of the Schedule annexed hereto.
3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule aforesaid.
4. Method of Recruitment, age limit and qualification.—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

3. Disqualification :—No persons,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for doing so, exempt any person from operation of this rule.

6. Power to relax :—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

7. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of pay	Whether post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	
1	2	3	4	5	6	7	
1. Director of Health Services (Supertime Grade I).	1	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 2250-125/2-2500 + NPA as per orders of the Government of India on the Subject.	Selection	Not applicable	Not applicable	
2. Deputy Director of Health Services/Principal Medical Officer (Supertime Grade-II).	7	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1500-60-1800-100-2000 + NPA as per orders of the Government of India on the subject.	Selection	Not Applicable	Not Applicable	

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If any Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Union Public Service Commission to be consulted in making rectt.	8	9	10	11	12	13		
						8	9	10	11	12	13		
Not applicable	2 Years	By promotion, failing which by transfer on deputation.	Promotion : Officers holding Superintendence Grade II posts of Deputy Director of Health Services/ Principal Medical Officer with 6 Years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis. Transfer on deputation : Medical Officers holding analogous posts under the Central Government/State Government/Defence Services (Period of deputation shall ordinarily not exceed 5 years).	Group 'A' Departmental Promotion Committee : Chairman : Chairman/ Member UPSC. Members : 1. Joint Secretary (I). 2. Director General Ordnance Factories/Addl. Director General Ordnance Factories.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making promotion and appointing a State Government officer on deputation.								
Not Applicable	2 Years	By promotion failing which by transfer on deputation.	Promotion : General Duty Officer Grade I (Asstt. Director of Health Services/Sr. Medical Officer) with 5 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis and possessing post-graduate medical qualification. Transfer on deputation : Medical Officers holding analogous posts under the Central Government/State Governments/Defence Services. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 4 years).	Group 'A' Departmental Promotion Committee : Chairman : Chairman/ Member UPSC. Members : 1. Joint Secretary (F) Director (PA). 2. Director General Ordnance Factories/Addl. Director General Ordnance Factories/Director Health Service.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making promotion and appointing a State Government Officer on deputation.								
3. Assistant Director of Health Services/Senior Medical Officer (General Duty Officer Grade I).	15	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1100-50-1600+ NPA as per orders of the Government of India on the subject.	Selection	Not Applicable	Not Applicable	1	2	3	4	5	6	7
Not Applicable	2 Years	By promotion failing which by transfer on deputation.	Promotion : General Duty Officer Grade II (Assistant Medical Officer) with 5 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis. Transfer on deputation : Medical Officers holding analogous posts under the Central Government/State Government/Defence Services. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'A' Departmental Promotion Committee : Chairman : Chairman/ Member UPSC. Members : 1. Joint Secretary (F) Director (PA). 2. Director General Ordnance Factories/Addl. Director General Ordnance Factories/Director Health Service.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while appointing a State Government Officer on deputation.	8	9	10	11	12	13		

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1978

का०नि०आ० 155.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सशस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा नियम, 1968 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सशस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा (दूसरा संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सशस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा नियम, 1968 की तीसरी प्रत्युमूर्ती में,—

(1) “सिविलियन स्टाफ आफिसर (समूह क)” के पद के मामने, शीर्षक “अस्थायी रिक्तियाँ” के नीचे स्तम्भ 3 में विद्यमान परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् :—

“परन्तु यदि सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर की श्रेणी के किसी व्यक्ति पर, सिविलियन स्टाफ आफिसर की श्रेणी में प्रोमोशन के लिये विचार किया जाता है तो उस श्रेणी में उससे ज्येष्ठ उन सभी व्यक्तियों पर भी जिन्होंने उस श्रेणी में छः वर्ष से अन्यून सेवा की हो, इस बात के होते हुए भी कि उन्होंने उम श्रेणी में दस वर्ष की अनुमोदित सेवा न की हो, विचार किया जायेगा परन्तु छः वर्ष सेवा की पूर्वोक्त शर्त उम व्यक्ति को लागू नहीं होगी जो अनुसूचित जाति या अनुमूचित जनजाति का है।”;

(2) “सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर (समूह ख राजपत्रित)” पद के मामने, शीर्षक “अस्थायी रिक्तियाँ” के नीचे स्तम्भ में विद्यमान परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् :—

“परन्तु यदि सहायक की श्रेणी के किसी व्यक्ति पर, सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर की श्रेणी में प्रोमोशन के लिये विचार किया जाता है तो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उससे ज्येष्ठ सभी व्यक्तियों पर भी, इस बात के होते हुए भी कि उन्होंने उस श्रेणी में पांच वर्ष की निरन्तर अनुमोदित सेवा न की हो, विचार किया जायेगा।”

[का० सं० ए० 14685/सीएओ/पी-1/III]

ए० एस० जैन, सहायक मुख्य प्रशासन अधिकारी

New Delhi, the 27th April, 1978

S.R.O. 155.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Armed Forces Headquarters Civil Service Rules, 1968, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Armed Forces Headquarters Civil Service (Second Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Third Schedule to the Armed Forces Headquarters Civil Service Rules, 1968,—

(i) against the post of “Civilian Staff Officer (Group A)”, under the heading “Temporary vacancies”, for the existing proviso in column 3, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that if any person in the Grade of Assistant Civilian Staff Officer is considered for promotion to the Grade of Civilian Staff Officer, all persons senior to him in that Grade who have rendered not less than six years’ service in that Grade, shall also be considered notwithstanding that they may not have rendered ten years’ approved service in that Grade; provided that the aforesaid condition of six years’ service shall not apply to a person belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.”;

(ii) against the post of “Assistant Civilian Staff Officer (Group B-Gazetted)”, under the heading “Temporary vacancies”, for the existing proviso in column 3, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that if any person in the Grade of Assistant is considered for promotion to the Grade of Assistant Civilian Staff Officer, all persons belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes who are senior to him in that Grade, shall also be considered notwithstanding that they may not have rendered five years’ continuous approved service in that Grade.”.

[File No. A/14685/CAO/P-1/III]

A. S. JAIN, Assistant Chief Administrative Officer.

